[श्री बापूराम परांजपे]

3. शासकीय अधिकारियों द्वारा गलत ऋण आवेदनों की अनुशंसा करने पर उन्हें जवाबदार ठहराया जाए एवं उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।

(vi) NEED FOR PROVIDING ADEQUATE COMPENSATION AND IMPLOYMENT TO DISPLACED PERSONS IN CHHOTANAGPUR AREA OF BIHAR

प्रो० अजित कुमार मेहता : (समस्तीपुर) : सदियों से वन्य क्षेत्र का और वनवासियों का शोषण होता रहा है । पर्यावरण की परवाह किये बिना ही वन सम्पदा की अनियमित और अवांछित लूट होती रही है । इसमें लाखों आदिवासियों और वनोपज से जीवन निर्वाह करने वाले लाखों लोगों के अस्तित्व की रक्षा का भी ध्यान नहीं रखा गया । अभी भी अधिकांश जनसंख्या अपढ़, अंधविश्वास और परम्परा के पोषक हैं तथा इतने निरीह हैं कि जब विकास कार्य अथवा नया उद्योग धंधा लगाने हेतु उनकी भूमि का अधिग्रहण कर लिया जाता है तो वे जमीन से उखड़े वृक्ष के समान बे-सहारा हो जाते हैं । एक तो उन्हें अपनी जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलता दूसरे वे किसी नये धन्धे में जम नहीं पाते और मजदूरी करने को बाध्य हो जाते हैं ।

आज जंगल का क्षेत्र, अनुसूचित जनजाति का इलाका छोटा-नागपुर उजड़ने को है । इस उजाड़ ने आदिवासी समुदाय को अपने परंपरागत अधिकारों से वंचित कर उनकी रोजी-रोटी पर प्रश्न-चिन्ह लगा दिया है ।

अतः अनुसूचित जनजाति एवं वनोपज जीवी की जीवन की सुरक्षा एवं उन्नति के लिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि विस्थापित परिवारों को उचित मुआवजा देने के साथ ही उन्हें सम्मानपूर्ण जीवनयापन करने के लिए रोजगार में लगाने की शर्त मुआवजे के साथ जोड़ी जाए तथा जंगल सम्बन्धी कानून सख्ती के साथ लागू किये जाएं और रैयती लकड़ी की बिक्री केवल वन विभाग से ही करने की अनिवार्यता उसके मालिकों के लिए हो ।

(vii) NEED FOR PREVENTING POLLUTION OF RIVER JAMUNA AT MATHURA

श्री दिगम्बर सिंह (मथुरा) : यमुना नदी का पानी असाधारण रूप से गंदा हो गया है । देश के हर क्षेत्र से लोग मथुरा आते हैं और यमुना में स्नान करते हैं । बहुत से मथुरा निवासी भी नित्य प्रति यमुना में स्नान करते हैं । अनेक महात्मा ऋषि और मुनि भी यमुना में स्नान करते हैं । मथुरा पर यमुना के पानी को साफ रखने के लिये जनता और संसद सदस्य मांग करते रहे हैं । मंत्री महोदय आते हैं वह भी इस समस्या के हल का आश्वासन दे जाते हैं । इसी प्रकार अनेक वर्ष से वृन्दावन के पुल की बात हो रही है । उसका सर्वे भी हो गया है । अब तक के भूतपूर्व और वर्तमान सब मुख्य मंत्रियों ने आश्वासन दिये हैं किन्तु केन्द्रीय सरकार से सहायता न मिलने के कारण काम पूरा नहीं हो पाता । अतः केन्द्रीय सरकार से प्रार्थना है कि यमुना के पानी की पवित्रता की रक्षा और यमुना के पुल के लिये उत्तर प्रदेश सरकार को यथेष्ट आर्थिक सहायता प्रदान करने की कृपा करें ।

—